

---

# Shri Sharada Devi Stotram

---

## श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Sharada Devi Stotram

File name : shAradAdevIstotram4.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Balaramanandena

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्



रामकृष्णस्य या शक्तिर्भिन्नरूपेण रूपिता ।  
नमामि ब्रह्मशक्तिं तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ १ ॥

माता ब्रह्ममयी पूज्या, ह्युद्धोधन निवासिनी ।  
नमामि वैष्णवीं मायां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ २ ॥

नारीरूपं समाश्रित्य, छद्मरूपेण या स्थिता ।  
प्रणमाम्यादिशक्तिं तां; शारदां परमेश्वरीम् ॥ ३ ॥

परमा प्रकृतिर्नित्या, माया च त्रिगुणात्मिका ।  
सगुण निर्गुणा चैव, शारदा परमेश्वरी ॥ ४ ॥

सर्गस्थितिलयादीनां, लीलाशक्तिः सनातनी ।  
आविर्भूता जगत्त्रातुं, शारदा परमेश्वरी ॥ ५ ॥

सीता-राधादिरूपैश्च; याऽवतीर्णा युगे युगे ।  
नमामि योगमायां तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ ६ ॥

कालीदुर्गादिरूपैश्च, या शक्तिरर्चिता जनैः ।  
प्रणमाम्यादिशक्तिं तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ ७ ॥

उमा-देवात्मशक्त्यादि, नाम्ना वेदेषु वर्णिता ।  
प्रणमाम्यादिमायां तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ ८ ॥

तुरीये न कदा दृष्टा, शुष्ककाष्ठेऽनलो यथा ।  
नमामि ब्रह्मशक्तिं तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ ९ ॥

यया च भ्राम्यते जीवो, ब्रह्मचक्रे पुनः पुनः ।  
नमामि वैष्णवीं मायां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ १० ॥

या शक्तिर्गुरुरूपेण, त्रायते भवबन्धनात् ।  
नमामि गुणशक्तिं तां, शारदां परमेश्वरीम् ॥ ११ ॥

रामकृष्णः परब्रह्म, तच्छक्तिः शारदा तथा ।

एकस्य द्विविधे रूपे, उभौ तौ प्रणमाम्यहम् ॥ १२ ॥

इति स्वामिबलरामानन्देनविरचितं “श्रीश्रीशारदादेवीस्तोत्रम्” सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

—  
*Shri Sharada Devi Stotram*

pdf was typeset on June 12, 2023

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

